

गुरुजी बिना सुतो ने कुण जगावे भजन लिरिक्स



गुरुजी बिना सुतो ने कुण जगावे,
मनखो जन्म मल्यो मुश्किल से,
अरे फेर हाथ नहीं आवे,
आयोड़ो अवसर भूल मती मूर्खा,
आयोड़ो अवसर भूल मती मूर्खा,
ऐ फेर चौरासी मे जावे,
गुरुजी बिना सुता ने कुण जगावे,
असंख जुगो रो भूलो मारो जीवड़ो,
असंख जुगो रो भूलो मारे हंसलो,
फिर फिर गोता खावे,
गुरुजी बिना सुता ने कुण जगावे lbd।

लख चौरासी मे घट घणेरा,
महाकष्ट दुख पावे,
कूकर्म करे विधि नहीं सुजे,
कूकर्म करे विधि नहीं सूजे,
मार जमो ने वाली खावे,
गुरुजी बिना सुता ने कुण जगावे,
असंख जुगो रो भूलो मारो जीवड़ो,
असंख जुगो रो भूलो मारे हंसलो,
फिर फिर गोता खावे,
गुरुजी बिना सुता ने कुण जगावे lbd।

मकड़ी मुख से तार निकाले,
उसका जाल बनावे,
आप ही जाय जाल मे बेठे,
उलझ उलझ मर जावे,
गुरुजी बिना सुता ने कुण जगावे,
असंख जुगो रो भूलो मारो जीवड़ो,
असंख जुगो रो भूलो मारे हंसलो,
फिर फिर गोता खावे,
गुरुजी बिना सुता ने कुण जगावे lbd।

शंकरनाथ मिल्या गुरु पूरा,
भिन भिन कह समझावे,
समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल
एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>



हर पूरबला पावे,
गुरूजी बिना सुता ने कुण जगावे,
असंख जुगो रो भूलो मारो जीवड़ो,
असंख जुगो रो भूलो मारे हंसलो,
फिर फिर गोता खावे,
गुरूजी बिना सुता ने कुण जगावे।

मनखो जन्म मल्यो मुश्किल से,
अरे फेर हाथ नही आवे,
आयोड़ो अवसर भूल मती मूर्खा,
आयोड़ो अवसर भूल मती मूर्खा,
ऐ फेर चौरासी मे जावे,
गुरूजी बिना सुतो ने कुण जगावे,
असंख जुगो रो भूलो मारो जीवड़ो,
असंख जुगो रो भूलो मारे हंसलो,
फिर फिर गोता खावे,
गुरूजी बिना सुता ने कुण जगावे।

गायक – सुरेश लोहार।
प्रेषक – पुखराज पटेल बांटा
9784417723